Corona: कोरोना महामारी के बीच 70 फीसदी उद्यमियों ने अपनी व्यावसायिक योजनाएं बदली

Corona, GEM survey report, business, EDII,

Patrika News | December 23, 2021 | www.patrika.com

==

अहमदाबाद. कोरोना महामारी के बीच 70 फीसदी उद्यमियों ने अपनी व्यावसायिक योजनाएं बदली। वहीं 82 प्रतिशत लोगों का मानना है कि कोविड-19 महामारी के कारण होने वाली कठिनाइयों के बावजूद अपने क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने का अच्छा अवसर मौजूद है।

ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) सर्वेक्षण रिपोर्ट 2020-21 में यह बातें सामने आई है। जीईएम और गांधीनगर स्थित भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) ने रिपोर्ट में यह बताया गया है कि 82 फीसदी युवाओं का मानना है कि उनके पास व्यवसाय आरंभ करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान है।

महामारी ने उद्यमशीलता को नकारात्मक प्रभावित किया

निष्कर्ष बताते हैं कि महामारी ने देश में कुल उद्यमशीलता गतिविधियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। हालांकि युवतियों के मामले में यह अधिक गंभीर है। महिला उद्यमशीलता गतिविधियों में 79 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पुरुष उद्यमशीलता गतिविधियों में 53 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

दुनिया में उद्यमिता गतिशीलता के सबसे बड़े वार्षिक अध्ययन माने जाने वाले जीईएम के मुताबिक युवाओं में असफलता का डर एक फीसदी बढ़ा है। 3,317 लोगों और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों के सैंपल सर्वे में यह बताया गया। वर्ष 2019-20 में यह दर 56 फीसदी थी जो वर्ष 2020-21 में बढक़र 57 फीसदी हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक उद्यमशीलता के इरादे में कमी आई है। यह वर्ष 2019-20 के 33.3 प्रतिशत से घटकर 2020-21 में 20.31 प्रतिशत हो गया है।

इसी तरह कुल प्रारंभिक चरण की उद्यमशीलता गतिविधि (टीईए) भी महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई। 2019-20 में यह 15 फीसदी थी जो वर्ष 2020-21 में घटकर 5.34 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट यह भी बताती है कि महामारी का घरेलू आय पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। भारत में लगभग 44 फीसदी युवाओं का विचार है कि महामारी ने उनकी घरेलू आय को प्रभावित किया है।

उद्यमिता सतत आर्थिक विकास के लिए अहम कारक

जीईएम इंडिया के टीम लीडर और **ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला** ने कहा कि उद्यमिता सतत आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इसमें रोजगार के अवसर पैदा करने की बहुत बड़ी क्षमता है। देश के भीतर उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करना दुनिया भर की सरकारों और समाजों के लिए प्राथमिक उद्देश्य बन गया है। उद्यमिता विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है।

https://www.patrika.com/ahmedabad-news/corona-corona-gem-survey-report-business-edii-7235784/